08, 09 & 10-03-2024

अमृत विचार

नारी सशक्तिकरण से ही विकसित भारत

कानपुर। देश तेजी से विकसित राष्ट्र बनने की तरफ अग्रसर है। इस यात्रा में महिलाओं का योगदान कम नहीं है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में पुरुषों के साथ मुकाबला कर रही हैं। यह विचार महिला दिवस पर शुक्रवार को राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में हुई गोष्ठी में व्यक्त किए गए। कार्यक्रम का आरंभ करते हुए संस्थान के निदेशक प्रो. डी. स्वाइन ने कहा कि देश को विकसित और समृद्ध बनाने में महिलाओं की अहम भूमिका है। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की थीम का भाव है कि विकास की गति तेज करने के लिए महिलाओं पर निवेश करें। यह निवेश उनके बेहतर लालन-पालन, उच्च शिक्षा, नौकरियों में समान सहभागिता के रूप में है। शोधार्थी अंजली यादव ने कहा कि आज महिलाएं वायुयान चला रही हैं, युद्ध लड़ रही हैं। छात्रा हीर ने कविता में महिलाओं की महत्ता बताई। क्विज प्रतियोगिता और खेल भी हुए। डॉ. अनंतलक्ष्मी, सहायक निदेशक मल्लिका द्विवेदी मौजूद रहीं।

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में कार्यक्रम में शामिल छात्राएं और स्टाफ। अमृत विचार

अमन यात्रा

देश को विकसित और समृद्ध राष्ट्र बनाने में महिलाओं की अहम् भूमिका है: प्रो. स्वाइन

सुशील त्रिवेदी

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर के कान्फ्रेंस हाल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि संस्थान के निदेशक, प्रो. डी. स्वाइन थे।

दीप प्रज्जवलन एवं मां शारदा का माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये प्रो. स्वाइन ने कहा कि देश को विकसित और समृद्ध बनाने में महिलाओं की अहम भूमिका है। इस वर्ष की अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की थीम का भाव है कि विकास की गति को तेज करने के लिये महिलाओं पर निवेश करें। यह निवेश उनके बेहतर लालन-पालन से लेकर, उच्च शिक्षा-दीक्षा, नौकरियों में उनकी समान सहभागिता है। प्रत्येक जगह उनके समुचित सहयोग के बिना विकास संभव नहीं है। निवेश को सामान्य भाषा में कहें तो इसका अर्थ बचत है और आज की बचत कल की सुरक्षा होती है। संक्षिप्त में कहें तो महिलाओं पर निवेश, समृद्ध भारत का सपना है।

कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं मुख्य अतिथि प्रो. स्वाइन ने कहा कि 8 मार्च को पूरी दुनिया में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। दुनिया में इस खास दिवस को मनाने में कुछ खास रंगों का अपना अलग ही महत्व है। इन रंगों में बैंगनी, हरा और सफ़ेद रंगों का प्रतीक क्रमशः न्याय और गरिमा, आशा और उम्मीद तथा शुद्धता और शांति का सूचक है।

हमारा भारत पुराकाल से ही सामाजिक समरसता और नारी के सम्मान का समर्थक रहा है। इसका प्रमाण हमारे पुराणों और धर्मग्रंथों में मिलता है जिसमें विद्या, शक्ति और धन जैसे महत्वपूर्ण शक्तियों की अधिष्ठात्री देवी नारियां ही हैं। इस तथ्य को आज विश्व स्वीकार कर नारी के विकास की बात कर रहा है। संस्थान की शोधार्थी कु. अंजली यादव ने महिला समानता एवं विकास पर व्याख्यान दिया। अंजली ने कहा कि आज वैश्विक स्तर पर हर क्षेत्र में महिलाओं के योगदान को देखा जा सकता है। महिलायें साइकिल से लेकर वायुयान तक चला रही हैं और पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं। महिलायें अब परदे से निकलकर अपनी सर्जनात्मक क्षमता का परिचय दे रही हैं। कु. हीर द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कविता प्रस्तुत की गयी।

कार्यक्रम में संस्थान में कार्यरत महिला कर्मियों एवं संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत छात्राओं तथा शोधार्थी छात्राओं के लिये क्विज व खेल का आयोजन हुआ। संस्थान के जैव रसायन अनुभाग में कार्यरत डॉ. अनंतलक्ष्मी, सहायक आचार्य जैव रसायन द्वारा सभी महिलाओं का सम्मान टियारा पहनाकर किया गया। कार्यक्रम का संचालन करते हुये सहायक निदेशक (रा.भा.) श्रीमती मल्लिका द्विवेदी ने कहा कि संस्थान के सभी पाठ्यक्रमों में महिलाओं की समान रूप से सहभागिता है।

जन एक्सप्रेस

देश को विकसित और समृद्ध बनाने में महिलाओं की अहम भूमिका: प्रो.डी. स्वाइन

जन एक्सप्रेस । कानपुर नगर

राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के कान्फ्रेंस हाल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि संस्थान के निदेशक, प्रो.डी. स्वाइन थे। दीप प्रज्जवलन एवं मां शारदा का माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम को संबोधित करते हुये प्रो.स्वाइन ने कहा कि देश को विकसित और समृद्ध बनाने में महिलाओं की अहम भूमिका है। इस वर्ष की अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की थीम का भाव है कि विकास की गति को तेज करने के लिये महिलाओं पर निवेश करें। यह निवेश उनके बेहतर लालन-पालन से लेकर, उच्च शिक्षा-दीक्षा, नौकरियों में उनकी समान सहभागिता है।

हमारा भारत पुराकाल से ही सामाजिक समरसता और नारी के सम्मान का समर्थक रहा है। इसका प्रमाण हमारे पुराणों और धर्मग्रंथों में मिलता है जिसमें विद्या, शक्ति और धन जैसे महत्वपूर्ण शक्तियों की अधिष्ठात्री देवी नारियां ही हैं। इस तथ्य को आज विश्व स्वीकार कर नारी के विकास की बात कर रहा है।

Title-code: UPHIN-48963 E-mail: jksingh.hardoi@gmail.com

सत्य का असर
समाचार पत्र

09,03,2024 jksingh.hardoi@gmail.com मोबाइल नंबर 9956834016

कानपुर वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

कानपुर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर दीप प्रज्ज्वलित करते संस्थान के निदेशक प्रोफेसर डी स्वाइन

वरिष्ठ पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

कानपुर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के कान्प्राँस हाल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संस्थान के निदेशक, प्रो. डी. स्वाइन ने दीप प्रज्जवलन एवं मां शारदा का माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुये प्रो. स्वाइन ने कहा कि देश को विकसित और समृद्ध बनाने में महिलाओं की अहम भूमिका है। इस वर्ष की अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की थीम का भाव है कि विकास की गति को तेज करने के लिये महिलाओं पर निवेश करें। यह निवेश उनके बेहतर लालन-पालन से लेकर, उच्च शिक्षा-दीक्षा, नौकरियों में उनकी समान सहभागिता है। प्रत्येक जगह उनके समुचित सहयोग के बिना विकास संभव नहीं हैं। निवेश को सामान्य भाषा में कहें तो इसका अर्थ बचत है और आज की बचत कल की सुरक्षा होती है। संक्षिप्त में कहें तो महिलाओं पर निवेश, समृद्ध भारत का सपना है।कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं मुख्य अतिथि प्रो. स्वाइन ने कहा कि 8 मार्च को पूरी दुनिया में अंतरर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। दुनिया में इस खास दिवस को मनाने में कुछ खास रंगों का अपना अलग ही महत्व है। इन रंगों में बैंगनी, हरा और सफ़ेद रंगों का प्रतीक क्रमशः न्याय और गरिमा, आशा और उम्मीद तथा शुद्धता और शांति का सूचक है।हमारा भारत पुराकाल से ही सामाजिक समरसता और नारी के सम्मान का समर्थक रहा है। इसका प्रमाण हमारे पुराणों और धर्मग्रंथों में मिलता है जिसमें विद्या, शक्ति और धन जैसे महत्वपूर्ण शक्तियों की अधिष्ठारी देवी नारियां ही हैं। इस तथ्य की आज विश्व स्वीकार कर नारी के विकास की बात कर रहा है। संस्थान की शोधार्थी कु. अंजली यादव ने महिला समानता एवं विकास पर व्याख्यान दिया। अंजली ने कहा कि आज वैश्विक स्तर पर हर क्षेत्र में महिलाओं के योगदान को देखा जा सकता है। महिलायें साइकिल से लेकर वायुयान तक चला रही हैं और पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं। महिलायें अब परदे से निकलकर अपनी सर्जनात्मक क्षमता का परिचय दे रही हैं। कु. हीर द्वारा अंतरर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कविता प्रस्तुत की ।कार्यक्रम में सस्थान में कार्यरत महिला कर्मियों एवं संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत छात्राओं तथा शोधार्थी छात्राओं के लिये क्विज व खेल का आयोजन हुआ। संस्थान के जैव रसायन अनुभाग में कार्यरत डॉ. अनंतलक्ष्मी, सहायक आचार्य जैव रसायन द्वारा सभी महिलाओं का सम्मान टियारा पहनाकर किया गया।>कार्यक्रम का संचालन करते हुये सहायक निदेशक (रा.भा.) श्रीमती मल्लिका दुवेदी ने कहा कि संस्थान के सभी पाठ्यक्रमों में महिलाओं की समान रूप से सहभागिता है। यहां से निकली हुई छात्रायें चीनी उद्योग को अपनी सेवाये प्रदान कर रही है। मुख्य अतिथि को धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।(अखिलेश कुमार पाण्डेय) मुख्य अभिकल्पक मीडिया प्रभारी दयाशंकर मिश्रा जी मौजूद रहे।

एनएसआई में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर हुआ कार्यक्रम

कार्यक्रम में शामिल महिलाएं।

कानपुर, 8 मार्च। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान (एनएसआई) के कांफ्रेंस हाल में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए संस्थान के निदेशक प्रो. डी स्वाईन ने महिला दिवस क्यों मनाया जाता है। इसके बारे में विस्तार से समझाया। शोधार्थी अंजली यादव ने महिला समानता व विकास के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहाकि महिलाएं साइकिल से लेकर वायुयान तक चला रही हैं। अब वे पर्दे से निकलकर सृजनात्मक क्षमता का परिचय दे रही हैं। संस्थान में कार्यरत सभी महिला स्टाफ अधिकारी, शोधार्थी के बीच विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। संस्थान के जैव रसायन अनुभाग में कार्यरत सहायक आचार्य डा. अनंत लक्ष्मी ने सभी महिलाओं को रियाय पहनाकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन मल्लिका द्विवेदी ने किया।

राष्ट्रीय सहारा

'देश को समृद्ध बनाने में महिलाओं की अहम भूमिका'

डेलि न्यूज़ एक्सप्रेस

महिला दिवस पर राष्ट्रीय शर्करा संस्थान कानपुर में महिलाओं का किया गया सम्मान

कानपुर (डीएनएन)। राष्ट्रीय सरकार संस्थान कानपुर के कांफ्रेंस हॉल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संस्थान के निदेशक प्रोफेसर दी स्वाइन थे दीप प्रज्वलन एवं मां शारदा का माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रोफेसर स्वाइन ने कहा कि देश को विकसित और समृद्ध बनाने में महिलाओं की अहम भूमिका है इस वर्ष की अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस की थीम का भाव है कि विकास की गति को तेज करने के लिए महिलाओं पर निवेश करें यह निवेश उनके बेहतर लालन.पालन से लेकर उच्च शिक्षा दीक्षा नौकरियों में उनके सामान सभा जीता है प्रत्येक जगह उनके समुचित सहयोग के बिना विकास संभव नहीं है निवेश को सामान्य भाषा में कहें तो इसका अर्थ बचत है और आज की बचत कल की सुरक्षा होती है संक्षिप्त में कहे तो महिलाओं पर निवेश समृद्ध भारत का सपना है कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं मुख्य अतिथि प्रोफेसर स्वयं ने कहा कि 8 मार्च को पूरी दुनिया में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है दुनिया में इस खास दिवस को मानने को कुछ खास रंगों का अपना अलग ही महत्व है इन रंगों में बैंगनी हार और सफेद रंगों का प्रतीक क्रमशः न्याय और गरिमा आशा और उम्मीद तथा शुद्धता और शांति का सूचक है हमारा भारत पुरकाल से ही सामाजिक समरसता और नारी के सम्मान का समर्थक रहा है इसका प्रमाण हमारे पुराने और धर्म ग्रंथो में मिलता है जिसमें विद्या शक्ति और धन जैसे महत्वपूर्ण शक्तियों की आदेश शास्त्री देवी नारियां हैं इस तत्व को आज विशेष आज विश्व स्वीकार कर नारी के विकास की बात कर रहा है संस्थान के शोधार्थी कुमारी अंजली यादव ने महिला समानता एवं विकास पर व्याख्यान दिया अंजलि ने कहा कि आज वैश्विक स्तर पर हर क्षेत्र में महिलाओं के योगदान को देखा जा सकता है महिलाएं साइकिल से लेकर वायुयान तक चल रही है और पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है महिलाएं आप पर्दे से निकलकर अपनी सारी रचनात्मक क्षमता का परिचय दे रही है कार्यक्रम में संस्थान में कार्यरत महिला कर्मियों एवं संस्थान द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रम में अध्यनरत छात्राओं तथा शोधार्थियों छात्रों के लिए क्विज व खेल का आयोजन हुआ संविधान के जैव रसायन अनुभव में कार्यरत डॉक्टर अनंत लक्ष्मी सहायक आचार्य जैव रसायन द्वारा सभी महिलाओं का सम्मान किया गया कार्यक्रम का संचालन करते हुए सहायक निदेशक मल्लिका द्विवेदी ने कहा कि संस्थान के सभी पाठ्यक्रमों में महिलाओं की समान रूप से सहभागिता है यहां से निकली हुई छात्राएं चीनी उद्योग को अपने सेवाए प्रदान कर रहे हैं मुख्य अतिथि को धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

सीएसएजेएमयू में 40 प्रतिशत प्रमुख पदों पर महिलाओं का ही नेतृत्व

विश्वविद्यालय समेत कई जगह सम्मानित की गईं महिलाएं

जासं, कानपुर : छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों और स्कूलों का नेतृत्व महिला शिक्षिकाएं कर रही हैं। विश्वविद्यालय के लगभग आधे स्कूलों और विभागों में महिलाएं ही तैनात हैं। विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग विभाग की निदेशक के साथ ही अब डीन अकादमिक की जिम्मेदारी भी डा. वृष्टि मित्रा संभाल रही हैं।

विश्व महिला दिवस पर सीएसजेएमयू में महिला शिक्षिकाओं के सभी प्रमुख पदों पर तैनाती भी विशेष चर्चा में रही। विश्वविद्यालय की डीन अकादमिक के अलावा प्रशासनिक पदों पर भी महिलाओं की तैनाती की गई है। कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने महिला नेतृत्व को सराहते हुए कहा कि नैक मूल्यांकन और यूजीसी श्रेणी में अग्रिम रहने के विश्वविद्यालय के इतिहास में महिला शिक्षिकाओं का नाम भी दर्ज हो गया है।

उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान यूआइईटी डायरेक्टर- डा. वृष्टि मित्रा, स्कूल आफ एजुकेशन डायरेक्टर- डा. रश्मि गोरे, स्कूल आफ लाइफ साइंसेज- प्रो. वर्षा गुप्ता, डीन अकादमिक-डा. वृष्टि मित्रा, डीन प्रोजेक्ट और निदेशक स्कूल आफ बिजनेस मैनेजमेंट- प्रो. अंशु यादव, डीन रिसर्च एंड डेवलेपमेंट- डा. अनुराधा कालानी, डीन इनोवेशन- डा. शिल्पा कायस्थ, निदेशक - स्कूल आफ -फार्मास्टियूकिल साइंसेज- डा. शशि किरण मिश्रा, डिप्टी रजिस्ट्रार- स्टूडेंट स्पोर्ट सेल- अंजलि मौर्या, स्कूल आफ बेसिक साइंसेज- डिप्टी डायरेक्टर- डा. अंजू दीक्षित डोभाल , स्कूल आफ आर्ट्स, सोशल साइंसेज और ह्यूमिनिटीज -डा. किरण ज्ञा दायित्व संभाल रही हैं।

एनएसआइ निदेशक ने महिलाओं का किया सम्मान : कानपुर : राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में विश्व महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में निदेशक प्रो. डी स्वाइन ने महिला कर्मियों का सम्मान किया। संस्थान में इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान की शोधार्थी अंजली यादव ने महिला सम्मानता एवं विकास पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। हीर ने कविता सुनाई।

जैव रसायन अनुभाग में कार्यरत डा. अनंतलक्ष्मी, सहायक आचार्य जैव रसायन ने सभी महिलाओं को टियारा यानी फूलों का ताज पहनाया। सहायक निदेशक राज भाषा मल्लिका द्विवेदी ने सभी का आभार किया।

महिला बंदियों की देखभाल करने वाली महिला बंदी सम्मानित : कानपुर : जेल में बंद महिला बंदियों की शिक्षा, कंप्यूटर प्रशिक्षण, बैरक की साफ सफाई और बीमार बंदियों की देखरेख करने वाली महिला बंदियों को शुक्रवार को सम्मानित किया गया। स्वयंसेवी संस्था आल इंडिया वूमेन डेवलपमेंट एंड ट्रेनिंग सोसायटी, दिल्ली एवं शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास ने महिला बैरक में कार्यक्रम का आयोजन किया।

जेल अधीक्षक डा. बीडी पांडेय ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर एडीजे शुभी गुप्ता की अध्यक्षता में स्वयंसेवी संस्था की ओर से बिंदु सर्वोत्तम तिवारी ने महिला बंदियों की प्रशंसा कर उन्हें कपड़े और उपहार देकर सम्मानित किया। महिला बंदियों के साथ रह रहे बच्चों को भी चिप्स व चाकलेट, दिए। इस दौरान निर्मल कपूर, डा. आरती द्विवेदी, मोनिका पुरी, आभा निगम, जेलर अनिल कुमार पांडेय व राजेश कुमार और उप-जेलर सायमा जलीस मौजूद रहे।

सृजनात्मक क्षमता का परिचय दे रहीं महिलाएं

कानपुर। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान के कांफ्रेंस हाल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर शुक्रवार को कार्यक्रम का आयोजन हुआ। शुभारंभ संस्थान के निदेशक प्रो. डी स्वाइन ने किया। शोधार्थी अंजली यादव ने कहा पर्दे से निकलकर सृजनात्मक क्षमता का परिचय दे रही हैं। संचालन मल्लिका द्विवेदी ने किया।

Digital News

- राष्ट्रीय शर्करा संस्थान, कानपुर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन
- NSI में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रमवर्तमान में :निदेशक ने कहा : देश को विकसित और समृद्ध बनाने में महिलाओं की अहम भूमिका